RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

अधात्विक खनिज

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अधात्विक खनिज

- कार्बनिक उत्पत्ति के खनिज
- अकार्बनिक उत्पत्ति के खनिज

कार्बनिक उत्पत्ति के खनिज

- जीवाश्म ईंधन : पृथ्वी में दबे प्राणी एवं पादप जीवों से प्राप्त
- उदाहरण : कोयला और पेट्रोलियम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अकार्बनिक उत्पत्ति के खनिज

1. अभ्रक
2. चूना-पत्थर
3. ग्रेफाइट

नोट

भूगर्भिक दृष्टि से इन्हें बनने में लंबा समय लगता है और आवश्यकता के समय इनका तुरंत पुनर्भरण नहीं किया जा सकता। अतः इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए

भारत में खनिजों का वितरण

- अधिकांश धात्विक खनिज प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों में
- कोयले का ~97% भाग दामोदर, सोन, महानदी और गोदावरी नदियों की घाटियों में
- पेट्रोलियम के आरक्षित भंडार असम, गुजरात तथा मुंबई हाई
- पेट्रोलियम के नए आरक्षित क्षेत्र कृष्णा-गोदावरी तथा कावेरी बेसिनों में

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

अधिकांश प्रमुख खनिज मंगलोर से कानपुर को जोड़ने वाली (कल्पित) रेखा के पूर्व में पाए जाते हैं।

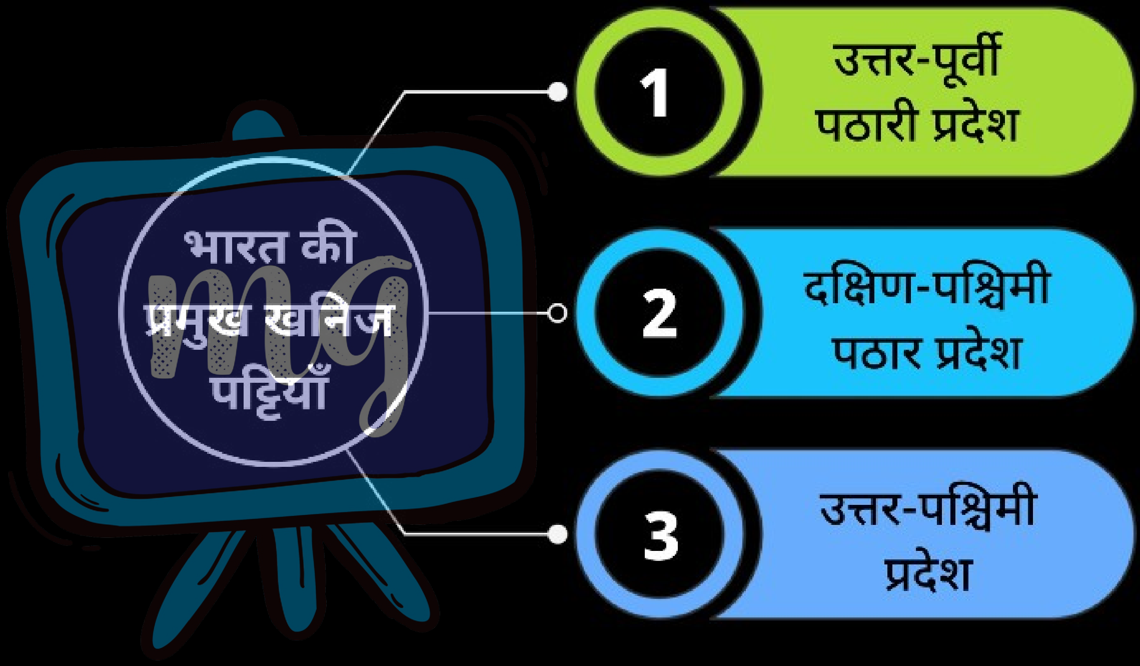
भारत की
प्रमुख खनिज
पट्टियाँ
1
उत्तर-पूर्वी
पठारी प्रदेश
2
दक्षिण-पश्चिमी
पठार प्रदेश
3
उत्तर-पश्चिमी
प्रदेश

1. उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश

❖ क्षेत्र : छोटानागपुर (झारखंड), ओडिशा के पठार, पं. बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के कुछ भाग

❖ खनिज : लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट व अभ्रक

2. दक्षिण-पश्चिमी पठार प्रदेश

- क्षेत्र : कर्नाटक, गोआ तथा संस्पर्शी तमिलनाडु उच्च भूमि और केरल
- लौह धातुओं तथा बॉक्साइट में समृद्ध पट्टी
- उच्च कोटि का लौह अयस्क, मैंगनीज़ तथा चूना-पत्थर

❖ निवेली लिगनाइट को छोड़कर इस क्षेत्र में कोयला निक्षेपों का अभाव

❖ खनिज निक्षेप उत्तर-पूर्वी पट्टी की भाँति विविधता पूर्ण नहीं

❖ केरल : मोनाजाइट तथा थोरियम, और बॉक्साइट क्ले के निक्षेप

❖ गोआ : लौह अयस्क निक्षेप

3. उत्तर-पश्चिमी प्रदेश

- क्षेत्र : राजस्थान में अरावली और गुजरात के कुछ भाग
- खनिज धारवाड़ क्रम की शैलों से संबद्ध
- खनिज : ताँबा, जिंक, बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट, संगमरमर, जिप्सम, मुल्तानी मिट्टी, डोलोमाइट तथा चूना पत्थर

नोट

- गुजरात अपने पेट्रोलियम निक्षेपों के लिए जाना जाता है।
- गुजरात व राजस्थान दोनों में नमक के समृद्ध स्रोत हैं।

हिमालयी पट्टी

- हिमालयी पट्टी एक अन्य खनिज पट्टी
- खनिज : ताँबा, सीसा, जस्ता, कोबाल्ट तथा रंगरत्न

खनिज तेलों के निक्षेप

- खनिज तेलों के निक्षेप
- खनिज तेल मुंबई के निकट अपतटीय क्षेत्र

लौह खनिज

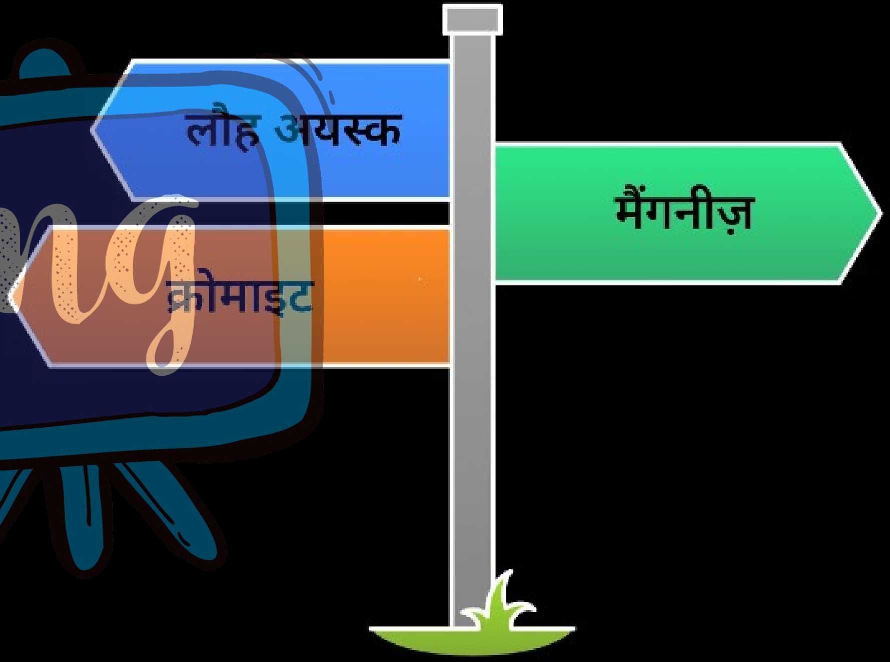

नोट

- लौह खनिज धातु आधारित उद्योगों के विकास के लिए एक सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं।
- लौह खनिजों के संचय एवं उत्पादन दोनों में ही हमारे देश की स्थिति अच्छी है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लौह अयस्क

- भारत में लौह अयस्क के प्रचुर संसाधन
- एशिया के विशालतम लौह अयस्क आरक्षित
- भारत में अयस्क के दो प्रमुख प्रकार -
  - हेमेटाइट तथा मैग्नेटाइट

नोट

लौह अयस्क की खदानें देश के उत्तर-पूर्वी पठार प्रदेश में कोयला क्षेत्रों के निकट स्थित हैं जो इसके लिए लाभप्रद है।

लौह अयस्क के आरक्षित भंडार

- लगभग 95 प्रतिशत भाग
  - ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोआ, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में

❖ ओडिशा में लौह अयस्क

➢ सुंदरगढ़, मयूरभंज, झार स्थित पहाड़ी श्रृंखलाओं में

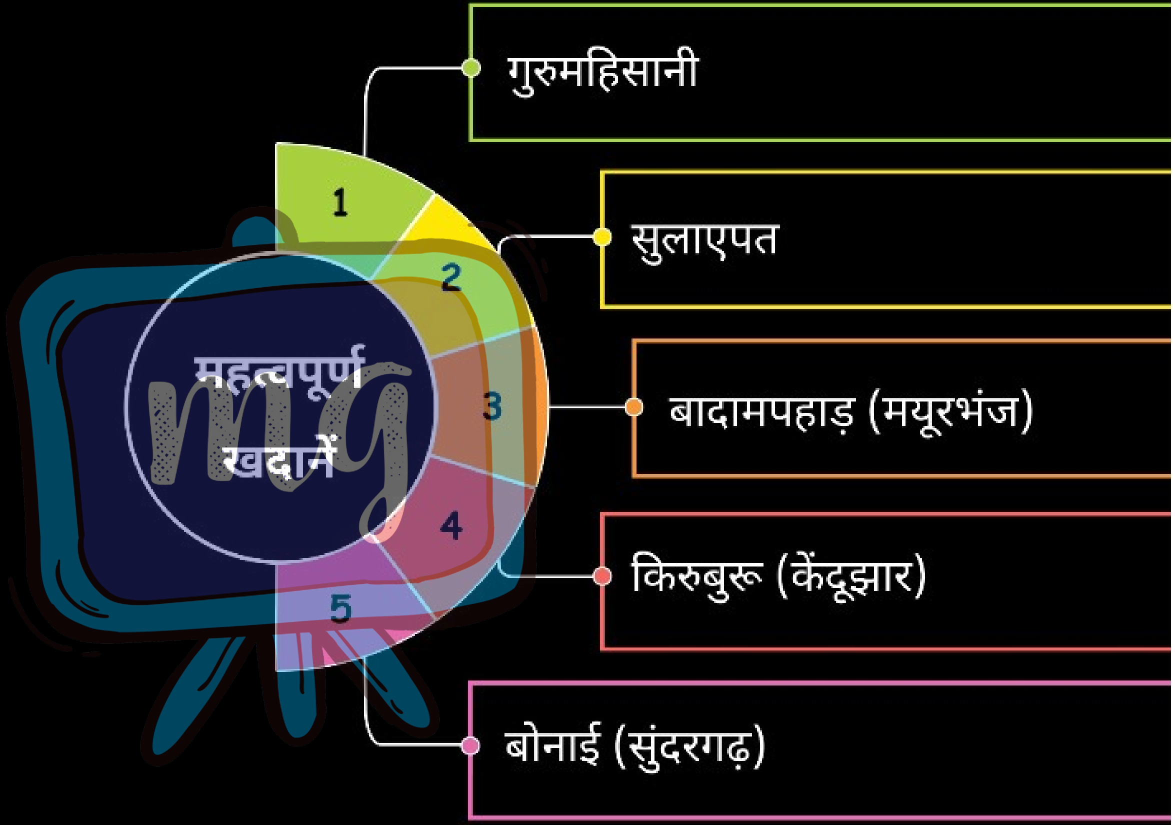
महत्वपूर्ण खदानें
1
2
3
4
5
गुरुमहिसानी
सुलाएपत
बादामपहाड़ (मयूरभंज)
किरुबुरू (केंदूझार)
बोनाई (सुंदरगढ़)

❖ झारखंड की महत्वपूर्ण खदानें

➢ नोआमंडी और गुआ

➢ पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में स्थित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- लौह अयस्क पट्टी और आगे दुर्ग, दांतेवाड़ा और बैलाडीला तक विस्तृत हैं।
- डल्ली तथा दुर्ग में राजहरा की खदानें देश की लौह अयस्क की महत्वपूर्ण खदानें हैं।

कर्नाटक में लौह अयस्क के निक्षेप

- बल्लारि : संदूर-होसपेटे क्षेत्र में
- चिकमगलूरु : बाबा बूदन पहाड़ियाँ, कुद्रेमुख
- अन्य क्षेत्र : शिवमोगा, चित्रदुर्ग और तुमकुरु

महाराष्ट्र में लौह अयस्क के निक्षेप

- चंद्रपुर
- भंडारा
- रत्नागिरि

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

तेलंगाना में लौह अयस्क के निक्षेप

- करीम नगर
- वारांगल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आंध्र प्रदेश में लौह अयस्क के निक्षेप

- कुरूनूल
- कडप्पा
- अनंतपुर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तमिलनाडु में लौह अयस्क के निक्षेप

- सेलम
- नीलगिरी

नोट

गोआ भी लौह अयस्क के महत्वपूर्ण उत्पादक के रूप में उभरा है।

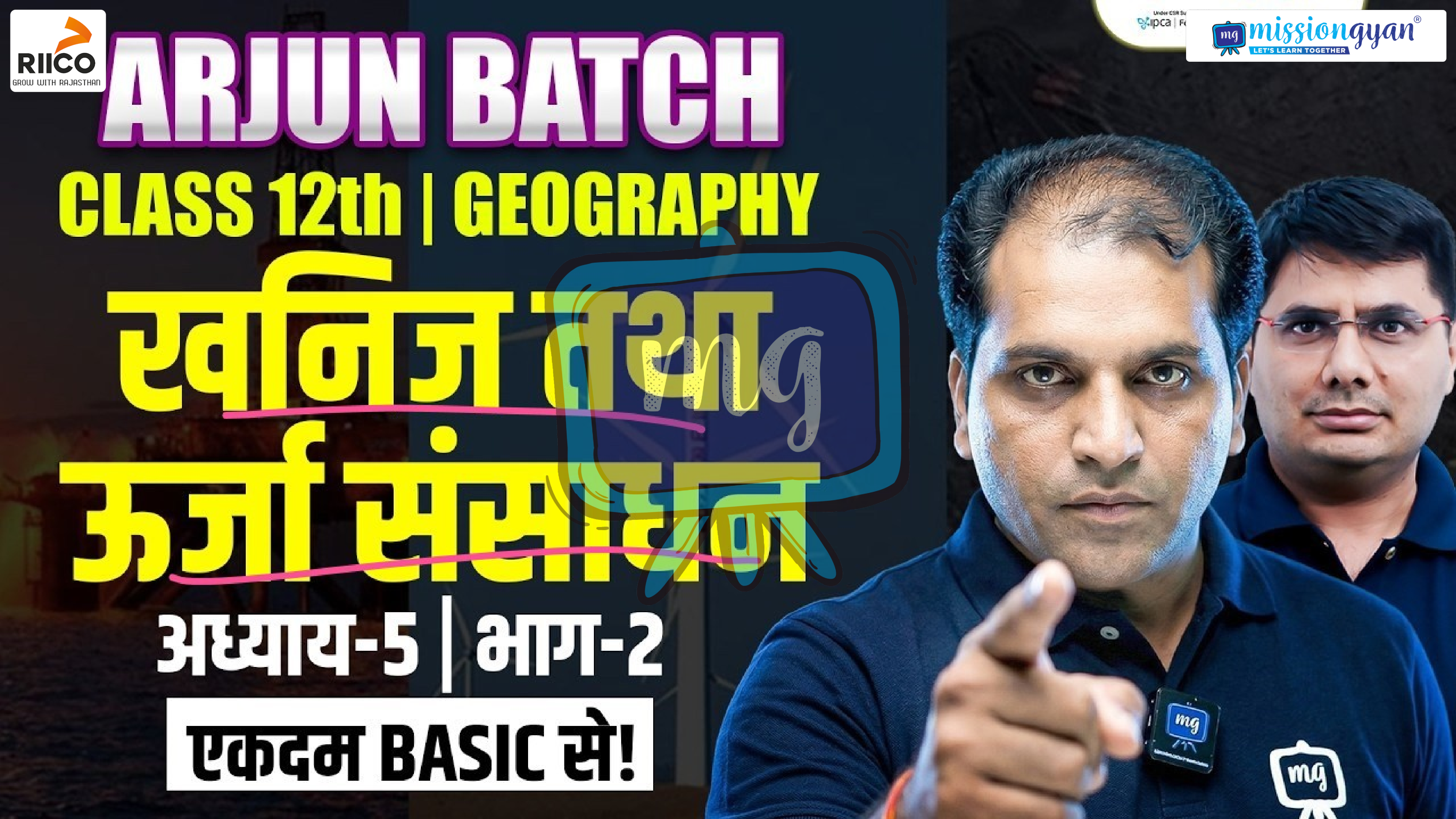
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
ARJUN BATCH
CLASS 12th | GEOGRAPHY
खनिज तथा
ऊर्जा संसाधन
अध्याय-5 | भाग-2
एकदम BASIC से!

खनिज

→ ऐसे प्राकृतिक पदार्थ जो रासायनिक व भौतिक संरचना होती है तथा कार्बनिक व अकार्बनिक होते है।

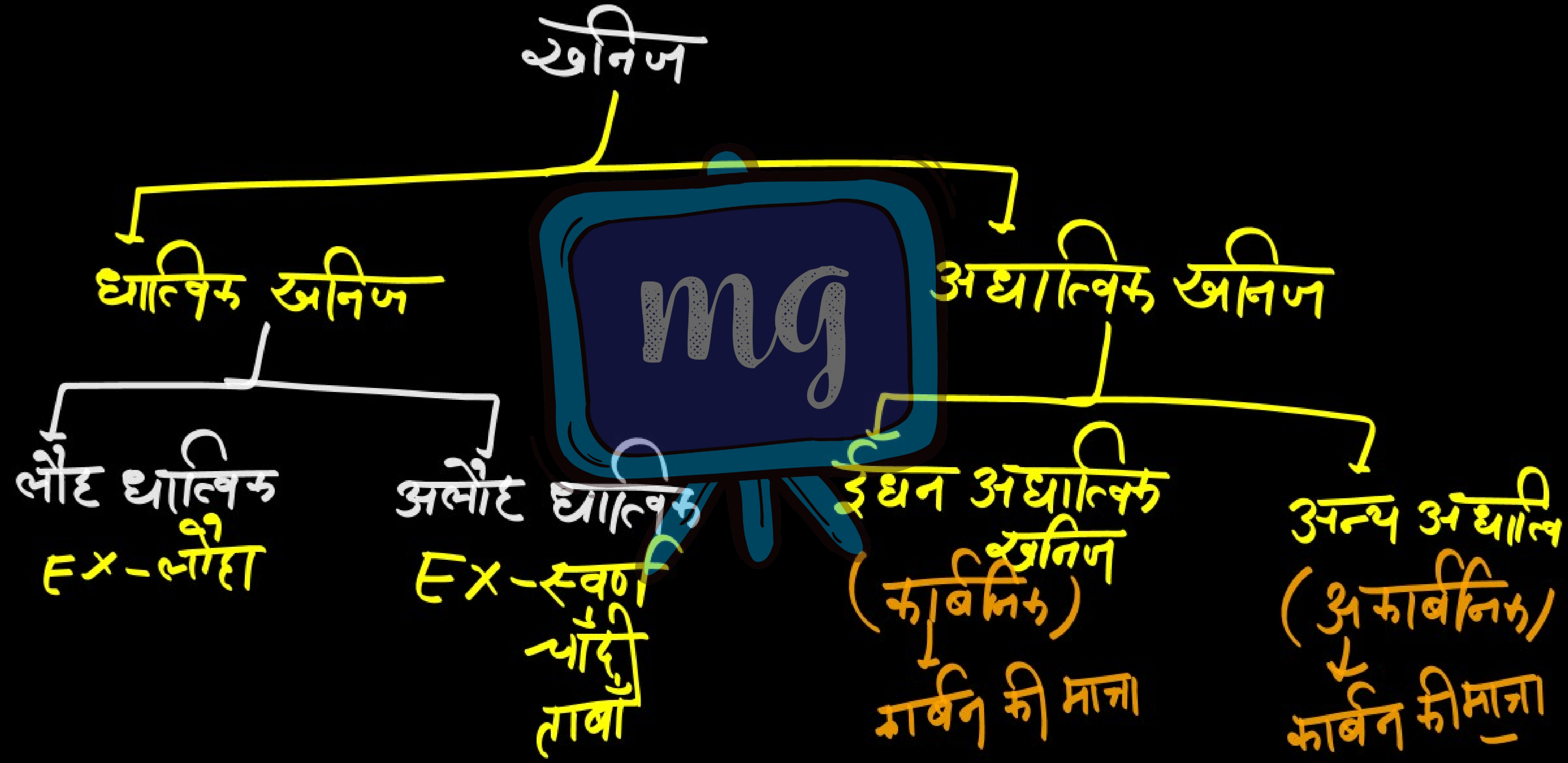
खनिज
धात्विक खनिज
अधात्विक खनिज
लौह धात्विक
Ex- लोहा
अलौह धात्विक
Ex- स्वर्ण
चाँदी
ताँबा
ईंधन अधात्विक खनिज
(कार्बनिक)
कार्बन की मात्रा
अन्य अधात्विक
(अकार्बनिक)
कार्बन की मात्रा

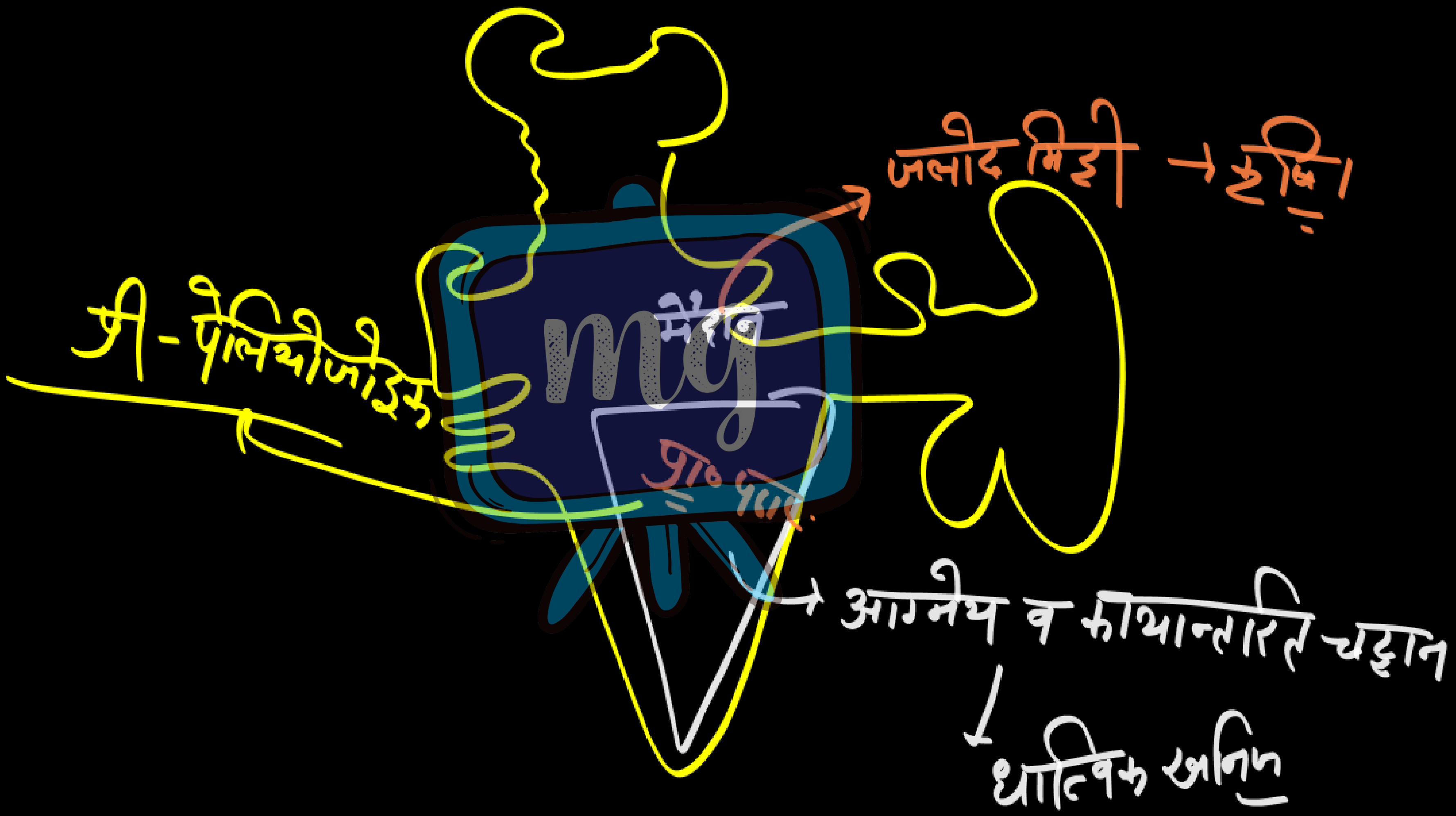
पी-पेलियोजोइक
जलोढ मिट्टी → कृषि।
→ आग्नेय व कायान्तरित चट्टान
धात्विक खनिज

आज क्या पढ़ेंगे ?

अधात्विक खनिज

अधात्विक खनिज

- कार्बनिक उत्पत्ति के खनिज
- अकार्बनिक उत्पत्ति के खनिज

अधात्विक

कार्बन → कार्बन मात्रा उपस्थित → कोयला

अकार्बन → कार्बन मात्रा उपस्थित नहीं। → स्टोन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कार्बनिक उत्पत्ति के खनिज

- जीवाश्म ईंधन : पृथ्वी में दबे प्राणी एवं पादप जीवों से प्राप्त
- उदाहरण : कोयला और पेट्रोलियम

आग्नेय

अपक्षय ⇒ अपरदन

पौधे/जन्तु

अवसादी

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अकार्बनिक उत्पत्ति के खनिज

1. अभ्रक
2. चूना-पत्थर
3. ग्रेफाइट

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

खनिजों की विशेषताएँ

1. क्षेत्र में असमान रूप से वितरित
2. गुणवत्ता और मात्रा के बीच प्रतिलोमी संबंध (विपरीत)
3. खनिज समय के साथ समाप्त (समाप्य)

नोट

भूगर्भिक दृष्टि से इन्हें बनने में लंबा समय लगता है और आवश्यकता के समय इनका तुरंत पुनर्भरण नहीं किया जा सकता। अतः इन्हें संरक्षित किया जाना चाहिए

खनिज निर्माण

समय अधिक (हजारों वर्ष)

पुनर्भरण

(खनिजों का संरक्षण)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में खनिजों का वितरण

- अधिकांश धात्विक खनिज प्रायद्वीपीय पठारी क्षेत्र की प्राचीन क्रिस्टलीय शैलों में
- कोयले का ~97% भाग दामोदर, सोन, महानदी और गोदावरी नदियों की घाटियों में
- पेट्रोलियम के आरक्षित भंडार असम, गुजरात तथा मुंबई हाई
- पेट्रोलियम के नए आरक्षित क्षेत्र कृष्णा-गोदावरी तथा कावेरी बेसिनों में

पट्रोल - डीजल

वर्तमान →

कृष्णा - गोदावरी

K.G. बेसिन

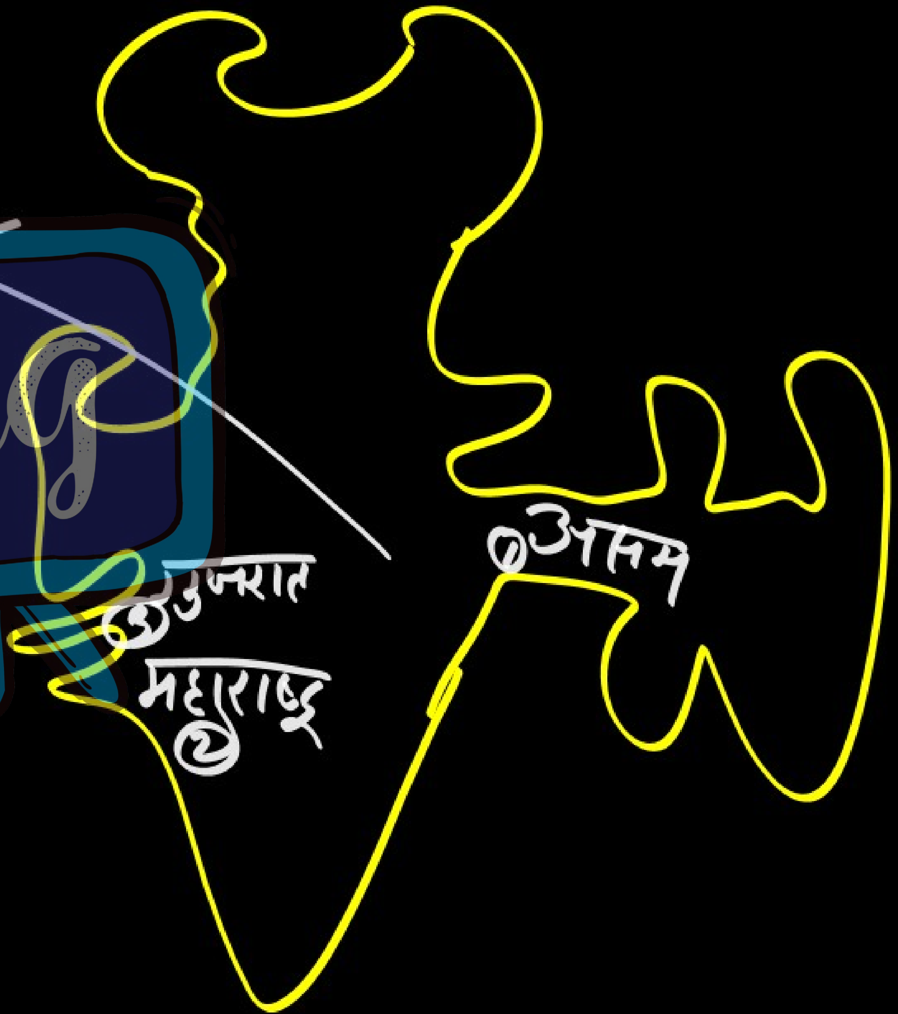

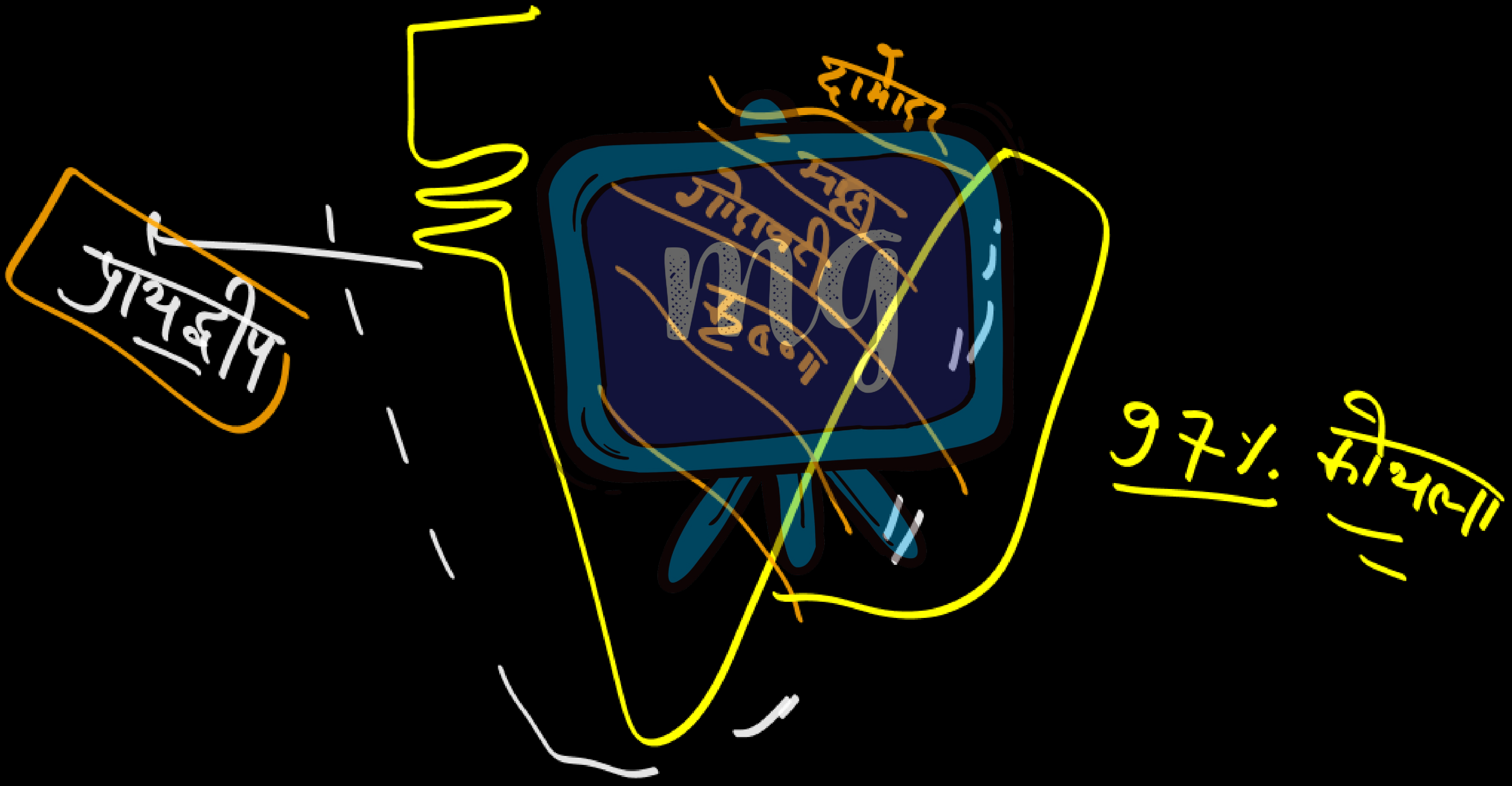
प्रायद्वीप
दामोदर
महा
गोदावरी
97%

नोट

अधिकांश प्रमुख खनिज मंगलोर से कानपुर को जोड़ने वाली (कल्पित) रेखा के पूर्व में पाए जाते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत की प्रमुख खनिज पट्टियाँ

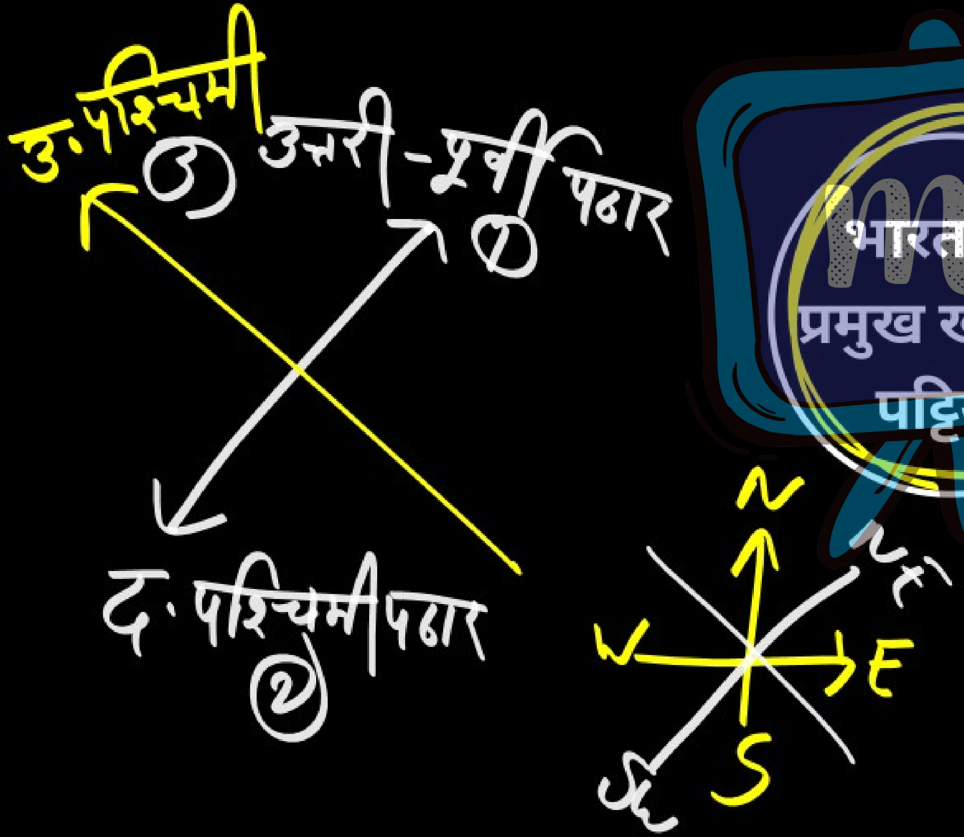

1. उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश
2. दक्षिण-पश्चिमी पठार प्रदेश
3. उत्तर-पश्चिमी प्रदेश

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

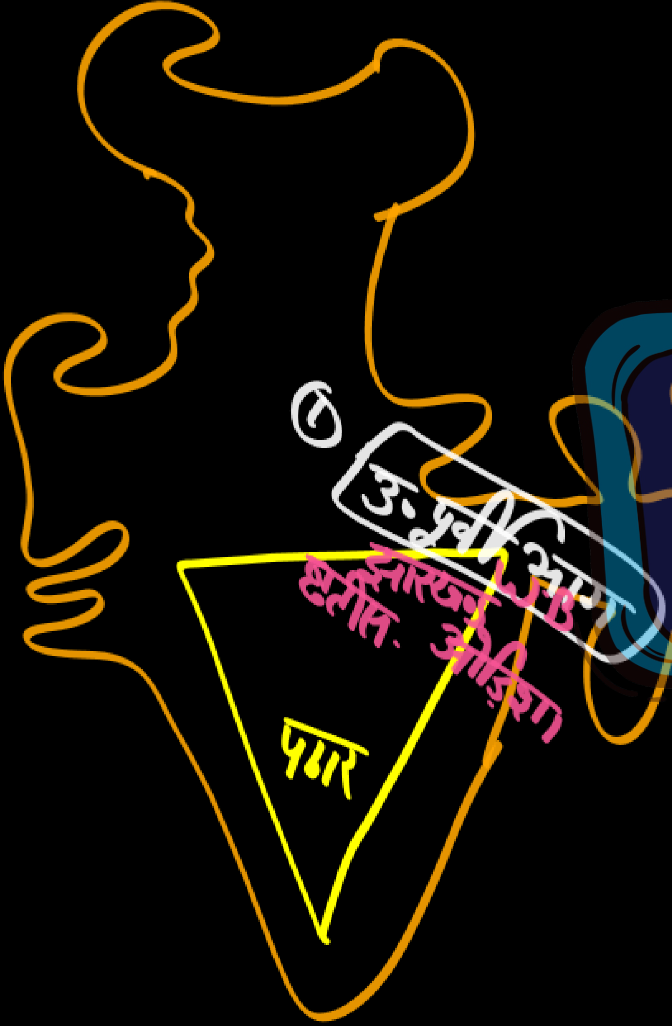

1. उत्तर-पूर्वी पठारी प्रदेश

- क्षेत्र : छोटानागपुर (झारखंड), ओडिशा के पठार, पं. बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के कुछ भाग
- खनिज : लौह अयस्क, कोयला, मैंगनीज, बॉक्साइट व अभ्रक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. दक्षिण-पश्चिमी पठार प्रदेश

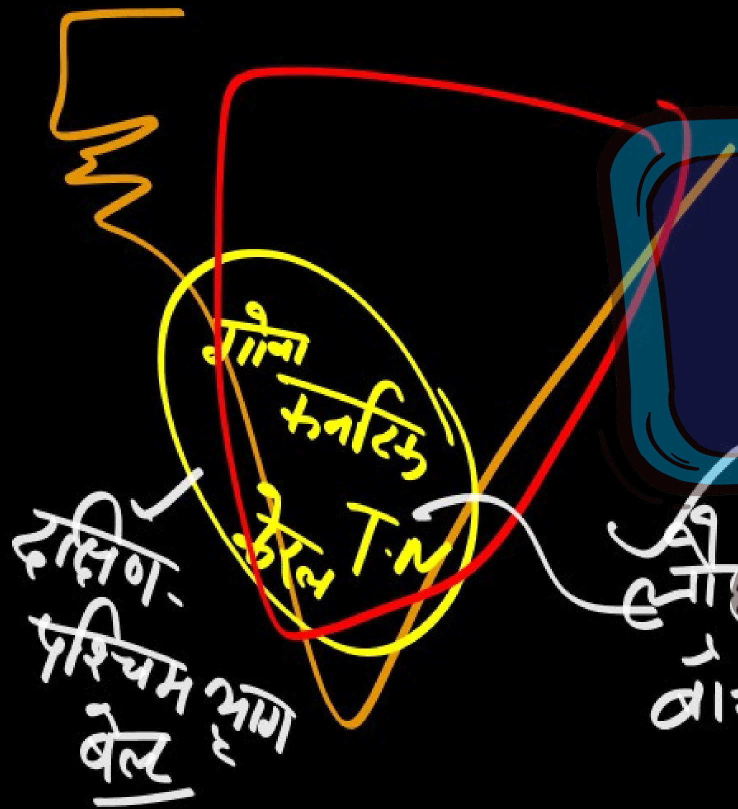

- क्षेत्र : कर्नाटक, गोआ तथा संस्पर्शी तमिलनाडु उच्च भूमि और केरल
- लौह धातुओं तथा बॉक्साइड में समृद्ध पट्टी
- उच्च कोटि का लौह अयस्क, मैंगनीज़ तथा चूना-पत्थर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- निवेली लिगनाइट को छोड़कर इस क्षेत्र में कोयला निक्षेपों का अभाव
- खनिज निक्षेप उत्तर-पूर्वी पट्टी की भाँति विविधता पूर्ण नहीं
- केरल : मोनाजाइट तथा थोरियम और बॉक्साइट क्ले के निक्षेप
- गोआ : लौह अयस्क निक्षेप

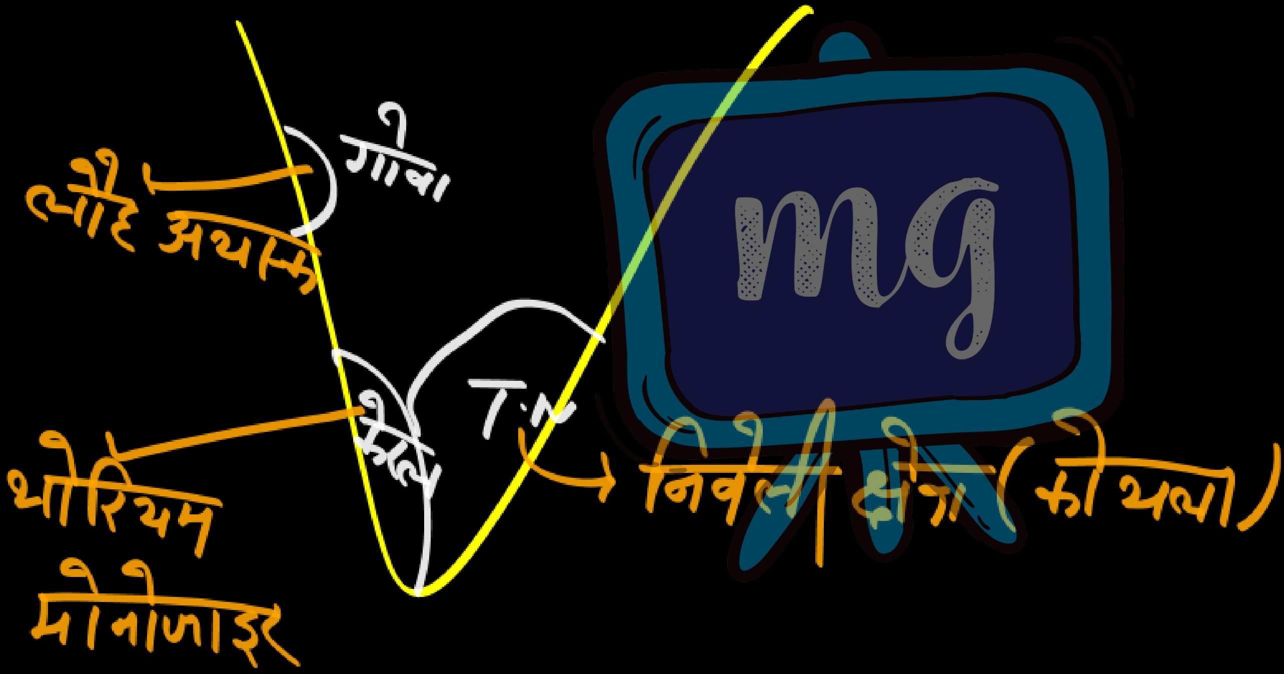

लौह अयस्क
गोवा
थोरियम
मोनोजाइट
केरल
T.N
निवेली क्षेत्र (कोयला)

3. उत्तर-पश्चिमी प्रदेश

- क्षेत्र : राजस्थान में अरावली और गुजरात के कुछ भाग
- खनिज धारवाड़ क्रम की शैलों से संबद्ध
- खनिज : ताँबा, जिंक, बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट, संगमरमर, जिप्सम, मुल्तानी मिट्टी, डोलोमाइट तथा चूना पत्थर

RIICO GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- गुजरात अपने पेट्रोलियम निक्षेपों के लिए जाना जाता है।
- गुजरात व राजस्थान दोनों में नमक के समृद्ध स्रोत हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हिमालयी पट्टी

- हिमालयी पट्टी एक अन्य खनिज पट्टी
- खनिज : ताँबा, सीसा, जस्ता, कोबाल्ट तथा रंगरत्न

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

खनिज तेलों के निक्षेप

- खनिज तेलों के निक्षेप
- खनिज तेल मुंबई के निकट अपतटीय क्षेत्र

लौह खनिज

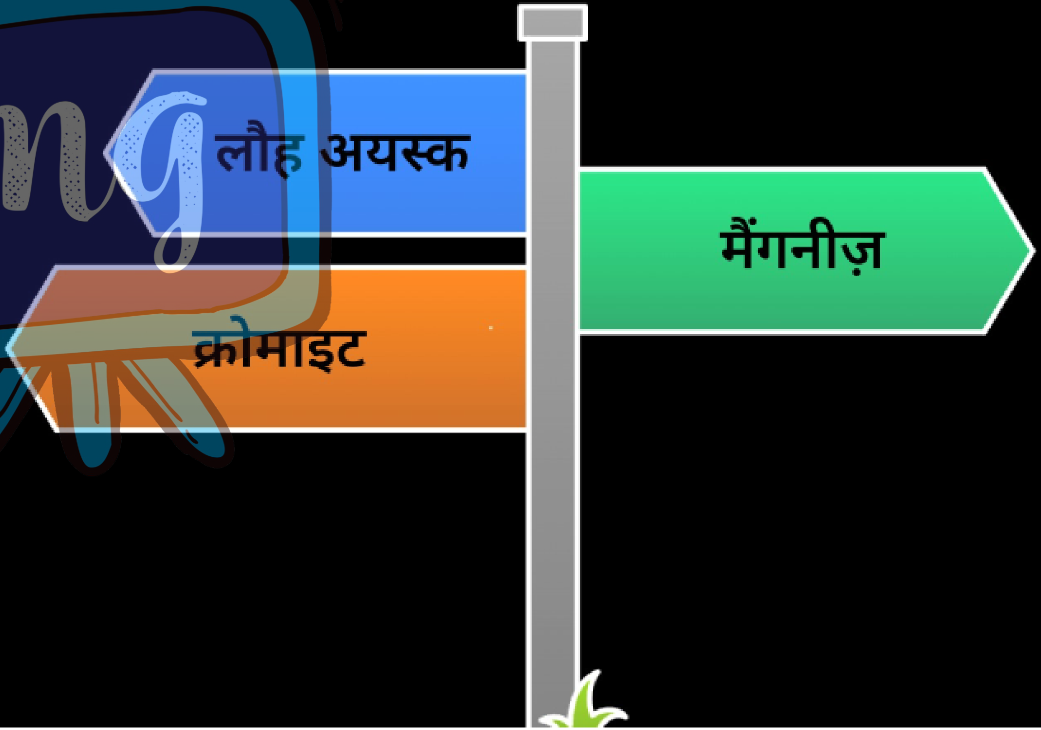

नोट

- लौह खनिज धातु आधारित उद्योगों के विकास के लिए एक सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं।
- लौह खनिजों के संचय एवं उत्पादन दोनों में ही हमारे देश की स्थिति अच्छी है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लौह अयस्क

- भारत में लौह अयस्क के प्रचुर संसाधन
- एशिया के विशालतम लौह अयस्क आरक्षित
- भारत में अयस्क के दो प्रमुख प्रकार -
  - हेमेटाइट तथा मैग्नेटाइट

नोट

लौह अयस्क की खदानें देश के उत्तर-पूर्वी पठार प्रदेश में कोयला क्षेत्रों के निकट स्थित हैं जो इसके लिए लाभप्रद है।

लौह अयस्क के आरक्षित भंडार

- लगभग 95 प्रतिशत भाग

ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोआ, आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में

❖ ओडिशा में लौह अयस्क

- सुंदरगढ़, मयूरभंज, झार स्थित पहाड़ी श्रृंखलाओं में

महत्वपूर्ण खदानें

1. गुरुमहिसानी
2. सुलाएपत
3. बादामपहाड़ (मयूरभंज)
4. किरुबुरू (केंदूझार)
5. बोनाई (सुंदरगढ़)

❖ झारखंड की महत्वपूर्ण खदानें

- नोआमंडी और गुआ
- पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम जिलों में स्थित

नोट

- लौह अयस्क पट्टी और आगे दुर्ग, दांतेवाड़ा और बैलाडीला तक विस्तृत हैं।
- डल्ली तथा दुर्ग में राजहरा की खदानें देश की लौह अयस्क की महत्वपूर्ण खदानें हैं।

कर्नाटक में लौह अयस्क के निक्षेप

- बल्लारि : संदूर-होसपेटे क्षेत्र में
- चिकमगलूरु : बाबा बूदन पहाड़ियाँ, कुद्रेमुख
- अन्य क्षेत्र : शिवमोगा, चित्रदुर्ग और तुमकुरु

महाराष्ट्र में लौह अयस्क के निक्षेप

- चंद्रपुर
- भंडारा
- रत्नागिरि

तेलंगाना में लौह अयस्क के निक्षेप

- करीम नगर
- वारांगल

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आंध्र प्रदेश में लौह अयस्क के निक्षेप

- कुरूनूल
- कडप्पा
- अनंतपुर

तमिलनाडु में लौह अयस्क के निक्षेप

- सेलम
- नीलगिरी

नोट

गोआ भी लौह अयस्क के महत्वपूर्ण उत्पादक के रूप में उभरा है।